वर्ष 2030 तक वैश्विक लोक ऋण में वृद्धि

[स्रोत: द हिंदू](#)

राजकोषीय नीति पर अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक लोक ऋण रिकॉर्ड 100 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने की उम्मीद है।

रिपोर्ट की मुख्य बातें:

- वैश्विक लोक ऋण **वर्ष 2024** में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 93% तथा **वर्ष 2030 तक 100% तक पहुँचने की उम्मीद है।**
- IMF ने ऋण अनुमानों में अनिश्चितताओं का बेहतर आकलन करने के लिये **"डेब्ट-एट-रिस्क" पद्धति शुरू की, जिसमें अनुमान लगाया गया कि सबसे खराब स्थिति में** वैश्विक लोक ऋण वर्ष 2026 तक **सकल घरेलू उत्पाद** का 115% तक बढ़ सकता है।
- सरकारी ऋण लागत में उतार-चढ़ाव वैश्विक कारकों पर निर्भर करते हैं।
  - इसका तात्पर्य यह है कि प्रमुख देशों में उच्च ऋण स्तर अन्य देशों में संप्रभु प्रतिफल और ऋण जोखिमों की अस्थिरता को बढ़ा सकता है।
- **सिफारिशें:**
  - देशों को कम मुद्रास्फीति और ब्याज दर में कटौती के वर्तमान दौर का उपयोग अपने वित्तीय भंडार को मज़बूत करने के लिये करना चाहिये।
  - वैश्विक लोक ऋण को नियंत्रण में लाने के लिये देशों को **सकल घरेलू उत्पाद का 3.0% से 4.5% के मध्य राजकोषीय समायोजन लागू करने** की आवश्यकता है।
- IMF औपचारिक रूप से **दिसंबर, 1945** में अस्तित्व में आया। **द्वितीय विश्व युद्ध** के बाद युद्ध से प्रभावित देशों के पुनर्निर्माण में सहायता हेतु इसे विश्व बैंक के साथ स्थापित किया गया था।
  - **IMF और विश्व बैंक ने अमेरिका के ब्रेटन वुड्स** में एक सम्मेलन में अपनी स्थापना पर सहमति व्यक्त की थी। इसलिये उन्हें **ब्रेटन वुड्स ट्विन्स के रूप में जाना जाता है।**
  - इसका प्राथमिक उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली की स्थिरता सुनिश्चित करना है।
  - **IMF की प्रमुख रिपोर्टें:** वैश्विक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट और विश्व आर्थिक परिदृश्य**।**

और पढ़ें: वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट, जून 2024

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/increase-in-global-public-debt-by-2030